ज्ञानदीप

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001-2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2000 Certified Centralized Training Institute)

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

संस्थान – डी ओ टी (020)
26127951, 26123680
रेलवे – 55222, 55862

छात्रावास – डी ओ टी (020)
26130579, 26126816, 26121669
रेलवे – 53101, 53102, 253103

फैक्स: 020-26128677 रेलवे: 55860
ई–मेल: mail@iricen.gov.in
वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 19 | अंक – 75 | जुलाई – सितंबर 2015

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

इस अंक में

1. संस्थान में इंजीनियर्स– डे का आयोजन
2. इरिसेन में राजभाषा सप्ताह का आयोजन
3. मुख्य पुल इंजीनियर का सेमिनार
4. मुख्य इंजीनियर ट्रैक मशीन का सेमिनार
5. मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार
6. स्वतंत्रता दिवस समारोह
7. इरिसेन वाटिका
8. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 128 वीं बैठक
9. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम
10. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी
11. स्वागत 12. सृजन

सभी पाठकों को इरिसेन परिवार की ओर से दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

1. संस्थान में इंजीनियर्स – डे का आयोजन



भारतरत्न स्वर्गीय श्री एम. विश्वेसरैया एक महान इंजीनियर रहे हैं और उनकी गिनती महान विद्वान व्यक्तियों में होती है। उनका जन्म 15 सितंबर, 1861 को कर्नाटक के कोलार जिले के मुद्देनहली गांव में हुआ था। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में वे पारंगत थे और इसीलिए उनकी याद में 15 सितंबर को संपूर्ण भारत में इंजीनियर्स – डे का आयोजन किया जाता है।



भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान में भी 15 सितंबर, 2015 को स्वर्गीय श्री एम.विश्वेसरैया जी के जन्मदिन के अवसर पर उनके स्मरण में संस्थान के निदेशक ने श्रद्धासुमन स्वरुप उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण किया। स्वर्गीय श्री एम.विश्वेसरैया को श्रद्धासुमन समर्पित करने के लिए संस्थान के सभी संकाय सदस्य उपस्थित थे। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के 2013 बैच के नवयुवा परिवीक्षार्थियों ने भी इस महान आत्मा को स्मरण कर उनके प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

2. इरिसेन में राजभाषा सप्ताह का आयोजन



भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे में दिनांक 14 सितंबर (हिंदी दिवस) से 18 सितंबर, 2015 तक राजभाषा सप्ताह का आयोजन किया गया। 14 सितंबर, 2015 को हिंदी दिवस के अवसर पर श्री विश्वेश चौबे, निदेशक महोदय, इरिसेन, पुणे ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया। श्री विश्वेश चौबे निदेशक महोदय, श्री आर.पी.सक्सेना, वरिष्ठ प्राध्यापक/ इंजीनियरिंग एवं श्री अनिल कुमार पटेल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी/ प्राध्यापक, रेलपथ–। ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत शुभारंभ किया गया।

निदेशक महोदय ने सर्वप्रथम हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दी और बताया कि देश में भिन्न भिन्न भाषाओं एवं विभिन्न बोलियों के अस्तित्व को समान मान्यता देते हुए हिंदी ने अपना स्थान बनाया है। हिंदी भाषा सुगमता एवं सरलता के साथ बोली जाती है और इसमें अन्य भाषाओं का भी सहजता से समावेश होता है। आपने बताया कि हिंदी भाषा केवल भारत में बोली जानेवाली भाषा नहीं है। बल्कि संपूर्ण विश्व के एक तिहाई से ज्यादा लोग हिंदी बोलते और समझते हैं। इतनी सहजता से समझ आनेवाली और कोई भाषा है भी नहीं। इस भाषा से अनभिज्ञ व्यक्ति भी सुन–सुनकर इसे आसानी से सीख जाते हैं। ऐसे कई उदाहरण आपको अपने संस्थान में भी मिल जाएंगे, जिन्होंने बड़ी तेजी से हिंदी सीखा है और समझकर काम भी

संरक्षक
विश्वेश चौबे
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
अनिल कुमार पटेल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक, रेलपथ – 1

संपादक
अरुणाभा ठाकुर
वरिष्ठ अनुवादक
राजभाषा अनुभाग

करने लगे है। आपने संस्थान में हिंदी में किए जा रहे कार्य की सराहना की और इसे और अधिक समृद्ध बनाने में सभी के सहयोग का आह्वान किया।

श्री आर.पी.सक्सेना, वरिष्ठ प्राध्यापक/ इंजीनियरिंग ने हिंदी दिवस के अवसर पर सभी को बधाई दी। आपने कहा कि आप और हम एक दूसरे से भाषा के माध्यम से ही तो जुड़ पाते हैं। अपने वक्तव्य में बुद्धिजीवी वर्गों का जिक्र करते हुए आपने बताया कि उनको यह बात अच्छी तरह ज्ञात है कि आनेवाला समय डिजिटल वर्ल्ड का है और इस डिजिटल दुनिया में सिर्फ तीन भाषाओं अंग्रेजी, चीनी एवं हिंदी का ही बोलबाला होगा। इंटरनेट के संबंध में आपने कहा कि इंटरनेट के जमाने में हर चीज रेडीमेड होता है। बटन दबाते ही संपूर्ण विश्व आपकी मुट्ठी में होता है। परंतु जो रेडीमेड है उसके टिकाऊपन की सीमा कम होती है। इधर बटन से हाथ हटा और अगले ही पल अधिकतर मदें दिमाग से भी डिलिट हो जाती हैं। क्योंकि, जेहन में वहीं बातें बसी रहती हैं, जो दिमाग में बिल्कुल बैठ गई हों। भारतीय संस्कृति का हमारे उपर यही प्रभाव है। यह हमारे रगों में समाया हुआ है। भाषा भी उन्हीं में से एक है। आपने राजभाषा सप्ताह की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

श्री अनिल कुमार पटेल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेलपथ–। ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी को समाज की सांस्कृतिक विरासत के रूप में पहचान देने की बात कही। आपने केंद्र सरकार के कामकाज की भाषा हिंदी के विषय में कहा कि इसके विकास में सहायक बनना इससे जुड़े व्यक्तियों का कर्तव्य है, राजभाषा के प्रचार एवं प्रसार का दायित्व सभी जिममेवार कंधों पर है। आपने बताया कि सभी के सहयोग एवं योगदान से संस्थान में राजभाषा विकास के पथ पर है। संस्थान में आयोजित सभी प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भागीदारी पर आपने खुशी जताई और राजभाषा में किए गए कार्यों की उपयोगिता के संबंध में बताया। अंत में उन्होंने राजभाषा सप्ताह के सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।



हिंदी दिवस एवं राजभाषा सप्ताह के उद्घाटन के अवसर पर इरिसेन में प्रशिक्षण पर आए भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के 2013 बैच के परिवीक्षार्थियों एवं कर्मियों द्वारा एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें भजन, फिल्मी गीत, कविताएं एवं वाद्य यंत्रों का सुरीला संगम था। दिनांक 15 सितंबर को प्रश्न मंच का आयोजन किया गया था। श्री अनिल कुमार पटेल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेलपथ–। द्वारा प्रश्नमंच का आयोजन किया गया। दिनांक 16 सितंबर, 2015 को श्रुतिलेखन प्रतियोगिता एवं अंताक्षरी का आयोजन



किया गया। 10 टीम के साथ अंताक्षरी में भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के 2013 बैच के परिवीक्षार्थियों एवं इरिसेन के कर्मियों ने जोशपूर्वक हिस्सा लिया। सभी कार्यक्रमों में अधिकारी वर्ग, प्रशिक्षु अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया। दिनांक 18 सितंबर, 2015 को राजभाषा का समापन समारोह का आयोजन था। इस अवसर पर संस्थान में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे टिप्पण आलेखन, निबंध, वाक् एवं श्रुतिलेखन इत्यादि में भाग लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों में से विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया। वर्ष 2014 -15 में हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने हेतु अधिकारी वर्ग में श्री शरद कुमार अग्रवाल, प्राध्यापक, पुल श्री महेंद्र मलकप्पा, कार्यालय अधीक्षक, श्री हरीश त्रिवेदी, वरिष्ठ तकनीकी सहायक को पुरस्कृत किया गया।



निबंध प्रतियोगिता में श्री ए.ए.निजामी, वरिष्ठ अनुदेशक, (कंप्यू.) प्रथम, श्री शैलेन्द्र प्रकाश, सहा. ग्रंथपाल द्वितीय तथा श्री अनंत दसरे,



वरिष्ठ अनुदेशक (कार्य) एवं श्री श्रवणलाल भील, वरिष्ठ अनुदेशक, रेलपथ तृतीय स्थान पर रहे।

वाक् प्रतियोगिता में श्री अनंत दसरे, वरिष्ठ अनुदेशक (कार्य)– प्रथम, श्री सुनील पोफले, वरिष्ठ अनुदेशक – कार्य 2 द्वितीय तथा श्री जी.सी.डी. कटाक्षम, वरिष्ठ अनुदेशक – रेलपथ 4 एवं श्री आर.के. कठल, सहा. प्राध्यापक तृतीय रहे। वैसे ही टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता में श्री ए. ए. निजामी, वरिष्ठ अनुदेशक,



(कंप्यू.) प्रथम स्थान पर, द्वितीय स्थान पर श्रीमती नेहा सप्तर्षि, सहा. ग्रंथपाल, तथा तृतीय स्थान पर श्री शैलेन्द्र प्रकाश, सहा. ग्रंथपाल एवं श्री प्रवीण कोटकर, वरिष्ठ अनुदेशक–रेलपथ 1 रहे। उसी प्रकार हिंदी श्रुति लेख प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर श्री महेंद्र मलकप्पा, कार्यालय अधीक्षक एवं द्वितीय स्थान पर श्रीमती नेहा सप्तर्षि, सहा.ग्रंथपाल तथा तृतीय स्थान पर श्री विद्या जम्मा, निजी सचिव रहीं। हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत हिंदी टायपिंग परीक्षा में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर श्री हरीश त्रिवेदी, कनिष्ठ अनुवादक, को 1600/- का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार वितरण के उपरांत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का सूत्र संचालन स्टेशन प्रबंधक (परिचालन) श्री गुरु सोना ने की। इस कार्यक्रम में पुणे अंतिम चरण में श्रोताओं द्वारा कार्यक्रम सराहना की गई।

3. मुख्य पुल इंजीनियर का सेमिनार



इरिसेन, पुणे में दिनांक 09 एवं 10 जुलाई, 2015 को मुख्य पुल इंजीनियर के सेमिनार का आयोजन किया गया। जिस में विभिन्न क्षेत्रीय रेलों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सेमिनार में कई महत्व पूर्ण निर्णय लिए गए। सेमिनार के दौरान विभिन्न प्रस्तावित कार्यसूची मदों पर विस्तार से चर्चा की गई। सलाहकार ब्रिज, रेलवे बोर्ड ने इस सेमिनार में हिस्सा लिया। सेमिनार के दौरान निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण भी दिए गए। मुख्य पुल इंजी./ द.रेल द्वारा 'लांचिंग ऑफ सिंगल युनिट आरसीसी बॉक्स फॉर कन्सट्रक्शन

ऑफ ब्रिज/सबवे'', मेसर्स सुनंदा स्पेशिलिटी कोटिंग प्रा. लिमिटेड, मुंबई द्वारा ''इम्प्रुवमेंट इन डयुरेबिलिटी एंड सर्विस लाइफ ऑफ आरसीसी एंड स्टील ब्रिज बाय केमिकल टेक्नालॉजी'', मुख्य पुल इंजी./उत्तर रेल द्वारा 'लांचिंग ऑफ ओपेन वेब गर्डर विथ द हेल्प् ऑफ रोड क्रेन'', मेसर्स मेरिडियन द्वारा ''प्री कास्ट् कन्सट्रक्शन आफ हाईट सबवे'', मुख्य पुल इंजी./ पूर्व तटीय. रेल द्वारा 'रीस्टोरेशन ऑफ ब्रिज नं. 200 इन KK- I सेक्शन'' इत्यादि । सेमिनार में कुछ मदों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

4. मुख्य इंजीनियर ट्रैक मशीन का सेमिनार



इरिसेन में दिनांक 17 एवं 18 अगस्त, 2015 को मुख्य इंजीनियर /ट्रैक मशीन का सेमिनार आयोजित किया गया जिसमें क्षेत्रीय रेलों के मुख्य इंजीनियर/ ट्रैक मशीन एवं रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सेमिनार में कार्यकारी निदेशक/ट्रैक मशीन, रेलवे बोर्ड एवं निदेशक, इरिसेन श्री विश्वेश चौबे एवं रेलवे बोर्ड के अन्य अधिकारियों ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। सेमिनार के दौरान विभिन्न प्रस्तवित कार्यसूची मदों पर विस्तार से चर्चा की गई। सेमिनार के दौरान निम्नलिखित प्रेजेंटेशन भी दिए गए : आरडीएसओ के अलावा मेसर्स फुलटॉस/एचटीटी, मेसर्स जेएससी, कलुगापुटमाश, रशिया, मेसर्स वंदना इंटरनेशनल प्रा. लि., मेसर्स सिम्पलेक्स इंजीनियरिंग प्रा. लि., मेसर्स क्युमिन्स इंडिया लि., मेसर्स ऐमिल, मेसर्स साउथ कोलकाता डीजल लि., मेसर्स ग्रीव्स कॉटन लि., मेसर्स प्लासर एंड थेरर लि. इत्यादि ने प्रेजेंटेशन दिए। भिन्न-भिन्न रेलों के मुख्य इंजी./रेलपथ मशीन ने आपसी विचार-विमर्श किए। सेमिनार में कुछ मदों पर महत्वएपूर्ण निर्णय लिए गए।

5. मुख्य रेलपथ इंजीनियर का सेमिनार



इरिसेन में दिनांक 21 एवं 22 सितंबर, 2015 को मुख्य इंजीनियर /रेलपथ का सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्रीय रेलों के मुख्यं इंजीनियर/ रेलपथ एवं रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सेमिनार में कार्यकारी निदेशक/सिविल एवं प्लानिंग, रेलवे बोर्ड, रेलवे बोर्ड के अन्यं अधिकारियों एवं निदेशक, इरिसेन ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। सेमिनार के दौरान विभिन्न प्रस्तावित कार्यसूची मदों पर विस्तार से चर्चा की गई। आरडीएसओ के कार्यकारी निदेशक ट्रैक 1 एवं 2 ने पॉलिसी मदों पर चर्चा की। 85वीं रेलपथ मानक समिति/ 2014 के मदों पर समीक्षा की गई। कार्यसूची मद सं. 1 में रेल, स्लीपर्स, फास्निंग, बालास्ट एवं डीप स्क्रीनिंग, कार्यसूची मद सं. 2 में प्वाइंट एवं क्रॉसिंग, कार्यसूची मद सं. 7 में आईआपीडब्ल्युएम में बदलाव, कार्यसूची मद सं. 4 में लेवल क्रॉसिंग, कार्यसूची मद सं. 5 में ट्रैक मशीन/स्मॉल ट्रैक मशीन तथा मद सं. 3 में एलडब्ल्युआर वेल्डिंग, मद सं. 8 में स्थापना, मद सं. 6 में परिचालन एवं सेफ्टी तथा मद सं. 9 में विविध मदों पर चर्चा की गई। सेमिनार के दौरान मेसर्स आईटीसी/कानपुर द्वारा प्रेजेंटेशन भी दिए गए।

6. स्वतंत्रता दिवस समारोह



संस्थान में 15 अगस्त, 2014 को स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में निदेशक श्री विश्वेश चौबे ने ध्वीजारोहण किया। राष्ट्र गान के उपरांत निदेशक महोदय ने उपस्थित समूह को संबोधित किया। पश्चात संस्थान के प्रांगण में सभी के लिए खेलकूद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह के अंतिम चरण में देशभक्ति के गीतों से सजा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम संस्थान के अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत किया गया।

7. इरिसेन वाटिका











संस्थान के नए प्रांगण को प्राय: दो वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। प्रांगण के चारों तरफ हरे-भरे लॉन, पौधे और वृक्ष लगाए गए हैं जो अपनी छटा बिखेर रहे हैं।

संस्थान के चारों ओर एक पैदल पथ बनाया गया है जिसे सुबह शाम भ्रमण के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। पोर्ट्रिको के दीवार पर भी हरे पौधे आकर्षक रूप में लगाए गए हैं। संस्थान की लैंड स्केपिंग का कार्य निदेशक, संकाय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ प्राध्यापक - पुल 2 के मार्गदर्शन में श्री एल.पी. श्रीवास्तव द्वारा किया गया है।

8. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 128वीं बैठक



दिनांक 24 अगस्त, 2015 को संस्थान के सम्मेलन कक्ष में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 128वीं बैठक आयोजित की गई। समिति के अध्यक्ष श्री एन.सी.शारदा, संकाय अध्यक्ष, इरिसेन, पुणे ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में राजभाषा की प्रगति पर विचार विमर्श किया गया। श्री अनिल कुमार पटेल, प्राध्यापक/ रेलपथ -। ने पहली बार उपमुख्य राजभाषा अधिकारी के रुप में बैठक की उपाध्यक्षता की। बैठक में सभी सदस्यों का आपने स्वागत किया और बताया कि दिनांक 7 अगस्त, 2015 को पुणे नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में हिंदी में उल्लेखनीय कार्य के लिए पुन: इस वर्ष भी इरिसेन को प्रशस्ति पत्र से

सम्मानित किया गया है। आपने कहा कि प्रतिवर्ष सितंबर माह में 14 सितंबर के आसपास राजभाषा सप्ताह का आयोजन किया जात है। रेलवे बोर्ड द्वारा लागू प्रोत्साहन एवं पुरस्कर योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न प्रतियागिताएं, प्रश्न मच एवं मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। आपने इन कार्यक्रमों में सदस्यों की साझेदारी सुनिश्चित करने की सलाह दी।

राजभाषा समिति के पदासीन अध्यक्ष श्री एन.सी.शारदा महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी में काम करना आसान तब होता है जब हम बोलचाल वाली भाषा का प्रयोग करते हों। आपने कहा कि ज्ञानदीप के माध्यम से संस्थान के ऐक्टीविटी की जानकारी संपूर्ण भारतीय रेल पर दी जाती है। आपने वेबसाइट को निरंतर अपडेट करने की आवश्यकता पर जोर दिया। अंत में आपने सितंबर माह में आयोजित की जानेवाली राजभाषा सप्ताह के कार्यक्रमों के लिए सभी को शुभकामनाएं दी।

9. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम

क्र.	पा. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रारंभ	समापन
1	15308	भा.रे.इं.से. 1989 बैच के लिए इरिसेन दिवस सेमिनार	31.10.15	1.11.15
2	15851	कर्व्स	02.11.15	06.11.15
3	15426	एनटीपीसी के इंजीनियरों के लिए ट्रैक एवं पुल अनुरक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम	07.12.15	11.12.15
4	15424	विवाचक के लिए विवाचन (डब्ल्यू-3)	23.11.15	27.11.15
5	15852	रेल व्हील इंटरऐक्शडन एवं डीरेलमेंट	23.11.15	04.12.15
6	15853	टीएमएस	23.11.15	04.12.15
7	15006	भा.रे.इं.से. च.।।(ग्रु.क्यू.)	23.11.15	28.01.16
8	15007	भा.रे.इं.से. तैनाती परीक्षा	30.11.15	04.12.15
9	15854	पाइंट एवं क्रॉसिंग	30.11.15	04.12.15
10	15425	रेल व्ही ल इंटरऐक्शन एवं डीरेलमेंट (टी-2)	30.11.15	05.12.15
11	15309	प्र.मु.इंजी. का सेमिनार	03.12.15	04.12.15
12	15855	कर्व्स	07.12.15	11.12.15
13	15856	एलडब्ल्यूआर	07.12.15	11.12.15
14	15008	भा.रे.इं.से.परिचयात्मक	14.12.15	18.12.15
15	15857	रेल व्हील इंटरऐक्शन एवं डीरेलमेंट	14.12.15	23.12.15
16	15858	यांत्रिकीकृत पटरी अनु. एवं पटरी बदलना	14.12.15	23.12.15
17	15427	टीएमएस (टी-5)	21.12.15	24.12.15
18	15711	परिवीक्षार्थियों के लिए जागरूकता पाठ्य.	21.12.15	23.12.15
19	14205	समेकित	28.12.15	17.03.16
20	15712	परिवीक्षार्थियों के लिए जागरूकता पाठ्य.	28.12.15	01.01.16
21	15859	पटरी प्रबंधन	28.12.15	01.01.16
22	15860	यूएसएफडी, वेल्डिंग एवं रेल टूटना	28.12.15	08.01.16

10. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

सत्र सं. 15102 - समेकित पाठ्यक्रम

प्रथम



मणिकंदन बी
सहायक मंडल इंजीनियर
करईकुड्डी / द. रे.

द्वितीय



डी. के. बठला
सहा.मंडल इंजीनियर
बीकानेर / उ.म.रे.

11. स्वागत



श्री रियाज अहमद सय्यद, ने दिनांक 07 जुलाई, 2015 को इरिसेन में वरिष्ठ अनुदेशक मेकेनिकल-2 का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप मध्य रेल, पुणे मंडल स्थित, डीजल लोको शेड, घोरपड़ी, पुणे में सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ डीजल के पद पर कार्यरत थे। रेल सेवा में कैरियर की शुरुआत प्रशिक्षु / जूनियर इंजी., सोलापुर मंडल में की थी। आपने डीजल लोको शेड कुर्डुवाडी, कुर्ला एवं पुणे में विभिन्न पदों पर कार्य किया है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

श्री नरेन्द्र कुमार मेहेर ने दिनांक 18 अगस्त, 2015 को इरिसेन में वरिष्ठ अनुदेशक / सिगनल एवं दूरसंचार का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। दक्षिण रेल पर 11 जून, 2007 से एर्नाकुलम जंक्शन में सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ सिगनल के पद से आपने रेल सेवा की शुरूआत की। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



12. सृजन

ट्रैकमैन, गेटमैन, की-मैन, सुपरवाइजर एवं जमादार ।
सभी ध्यान से सुनते रहना, संरक्षा के लिए लड़ते जाना ।।
कार्य कुशलता के परचम पर, दाग कभी न लगने देना ।।।

असमान पैकिंग न करना, क्रॉसिंग के जोड़ दो को न भूलना।
एस.ई.जे. का पंद्रह दिन में, अवश्य मेंटेनेंस करना।।
गोलाई के सिरों पर, उल्टा कैंट न बनने देना।
ट्रैक से अनावश्यक, छेडछाड़ नहीं करना।।

अगर रोकनी है दुर्घटना, सजग, सचेत हमेशा रहना।
सुरक्षा के लिए लड़ते रहना, संरक्षा के लिए लड़ते रहना।।
कार्य कुशलता के परचम पर, दाग कभी न लगने देना।।।

ब्रिज, ब्रिज एप्रोच, ट्रांजिश्न, जंक्शन,टर्न इन कर्व पर हमेशा सावधान रहना।
थोड़ी सी भी कमी यहां पर, नहीं फटकने देना।।
मिस फिटिंग सबसे बड़ा दुश्मन, उसको रगड़ के रखना।।।
गलत फिटिंग धोखेबाज मित्र है, उससे सदा बच के रहना।

मानवीय भूल से न हो दुर्घटना, इस संकल्प को कभी न भूलना । सुरक्षा के लिए लडते रहना, संरक्षा के लिए लड़ते रहना।।
कार्य कुशलता के परचम पर, दाग कभी न लगने देना ।।।

इंजीनियरिंग संरक्षा दर्शन - 1 का आंशिक भाग

श्री कृपा शंकर सिंह,
सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ रेलपथ
भवानी मंडी, कोटा डिवीजन, प.म.रे.

क्या तुम जानते हो कि तुम्हारे भीतर अभी भी कितना तेज, कितनी शक्ति छिपी हुई है क्या कोई भी वैज्ञानिक इन्हें जान सका है। मनुष्य का जन्म हुए लाखों वर्ष हो गए, पर अभी तक उसकी असीम शक्ति का एक अत्यंत छुद्र भाग ही अभिव्यक्त हुआ है। इसलिए तुम्हें यह नहीं कहना चाहिए कि तुम शक्तिहीन हो। तुम्हारे पीछे अनंत शक्ति और शांति का सागर है।

– स्वामी विवेकानंद

अनिल कुमार पटेल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक रेलपथ-1, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे-1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित

Design & Printed By Kalyani Corporation, Pune-30. Tel. 24486080